Regarding increasing demographic change in the country- Laid

श्री दिलीप शइकीया (दारंग-उदालगुड़ी) : भारत एक विविधता वाला देश है, जहां विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और भाषाओं के लोग रहते हैं । 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की आबादी 121 करोड़ से ज्यादा है । इसमें 96.63 करोड़ हिंदू और 17.22 करोड़ मुस्लिम हैं । भारत की कुल आबादी में 79.8% हिंदू, 14.2% मुस्लिम और बाकी के 6 प्रतिशत में ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन आदि धर्म के लोग है । पिछले 20 वर्षों में असम समेत पूर्वोत्तर भारत के कुछ प्रदेशों, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है । बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ यहां बाहरी आबादी के तेजी से बढ़ने का प्रमुख कारण है । असम में लगभग 34%, पश्चिम बंगाल में 27%, केरल में 26%, उत्तर प्रदेश में 20% और बिहार में 17% मुसलमान है । 1951 में देश में मुसलमानों की आबादी 2.8 करोड़ थी, जो आज 7 गुना बढ़कर 20 करोड़ हो गई है । जबकि हिन्दुओं की आबादी केवल 3 गुना बढ़कर 30 करोड़ से 90 करोड़ हुई है । अत: मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इस विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए देश में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन और जनसँख्या वृद्धि को रोकने के उपायों को क्रियान्वित किया जाए ।